

QP CODE: 24900235



Reg No:.....

Name:.....

MAHATMA GANDHI UNIVERSITY, KOTTAYAM
FIRST SEMESTER MGU-UGP (HONOURS) REGULAR
EXAMINATION NOVEMBER 2024

First Semester

Discipline Specific Core Course - MG1DSCSSD100 - सरलसंस्कृतदिशा वेदान्तपरिचयः

(2024 ADMISSION ONWARDS)

Duration: 2 Hours

Maximum Marks: 70

**Remember (K), Understand (U), Apply (A), Analyse (An), Evaluate (E), Create (C), Interest (I),
Appreciation (Ap), and Skill (S)**

*Students should attempt atleast one question from each course outcome to enhance their overall
outcome attainability.*

[Learning Domain][CO No(s)]

Part A

Short Answer Type Questions

Answer all questions

Each question carries 1 mark.

- | | | |
|---|---|---------|
| 1 | काव्यादपि मधुरं किम् ? | [K] [1] |
| 2 | केयूरम् इति पदस्य विवक्षा का ? | [K] [1] |
| 3 | शब्दाह्वयम् इति पदस्य को अर्थः? | [U] [1] |
| 4 | पशुः इति पदं कस्यां विभक्तौ प्रयुक्तम्? | [U] [2] |
| 5 | सुभाषितम् इति पदस्य बहुवचनं किम् ? | [K] [2] |
| 6 | तारकाणां प्रकाशः इव रत्नानि प्रकाशन्ते - इमं वाक्यं यथा - तथा इति अव्यये
उपयुज्य लिखत। | [C] [2] |
| 7 | इदं शब्दस्य नपुंसकलिङ्गे तृतीयाविभक्तिरूपाणि लिखतु | [K] [2] |
| 8 | भूतकालार्थवाचकाः लकाराः के? | [E] [3] |

- 9 वेदान्तशब्देन काः प्रसिद्धाः? [An] [4]
- 10 ईशाद्याः दशोपनिषदः काः? [An] [4]

(10 × 1 = 10)

Part B

Paragraph Type Questions
Answer any six questions
Each question carries 5 marks

- 11 इदमन्धं तमः कृत्स्नं जायेत भुवनत्रयम्।
यदि शब्दाह्वयं ज्योतिरासंसारं न दीप्यते ॥ अन्वयमर्थं च लिखत । [An] [1]
- 12 "विद्याधनं सर्वधनात् प्रधानम्" - विशदयत । [An] [1]
- 13 युष्मत् शब्दस्य संपूर्णविभक्तिरूपाणि लिखतु [U] [2]
- 14 मम महाविद्यालयः इति विषयमधिकृत्य पञ्चवाक्यानि लिखतु [C] [2]
- 15 "खण्डिकां पठित्वा अधो लिखितान् प्रश्नान् उत्तरयत – [E] [3]
- गोदावरीतीरे प्रतिष्ठानाख्ये जनपदे त्रिविक्रमसेनो नाम नृपतिः अभूत्। तस्य सेवार्थं क्षान्तिशीलो नाम भिक्षुः एकैकं फलमुपानयत्। सोऽपि तदादाय कोशाधिकारिणो हस्ते प्रतिदिनं न्यक्षिपत्। एवं द्वादशसु वर्षेषु अतीतेषु एकदा महाराजाय फलं समर्प्य निर्गते भिक्षौ, दैववशात् रक्षिणो हस्तात् परिभ्रष्टाय सभामण्डपे प्रविष्टाय क्रीडामर्कटाय सः तत्फलं प्रादात्। यावत् फलं मर्कटोश्नाति तावत् विभिन्नमध्यात् अनर्घमेकमुत्तमं रत्नं निरगात्। तदवलोक्य राजा कोशाध्यक्षम् इतरफलविषये अपृच्छत्। कोशाध्यक्षः राजानम् अबोधयत् यत् फलानि सर्वाण्यपि शीर्णानि तत्र रश्मिज्वालावलितं रत्नराशिमेव पश्यामि इति।
- अधो लिखितान् प्रश्नान् उत्तरयत –
1. कस्मिन् जनपदे त्रिविक्रमसेनो नृपतिः आसीत् ?
 2. कः भिक्षुः फलमुपानयत् ?
 3. राजा कस्मै फलं प्रादात् ?
 4. सोऽपि – पदच्छेदं लिखत।
 5. अपृच्छत् – अत्र कः लकारः?"

- 16 "अधोक्तश्लोके सन्धिविच्छेदं कुरुत – [E] [3]
पश्यैतां पाण्डुपुत्रामाचार्य महतीं चमूम्।
व्यूढां द्रुपदपुत्रेण तवशिष्येण धीमता।"
- 17 वैदिकसाहित्यस्य स्वरूपं लिखत। [E] [4]
- 18 कठोपनिषदः सामान्यपरिचयं लिखत। [An] [4]
- 19 एतद्वितीयेन वृणे वरेण – सप्रसङ्गं व्याख्यात। [An] [4]
- 20 कामानां त्वां कामभाजं करोमि इति यमवचनं स्पष्टयत। [C] [4]

(6 × 5 = 30)

Part C

Essay Type Questions

Answer any two questions

Each question carries 15 marks

- 21 रम्, वन्द्, कृ इत्येतेषाम् आत्मनेपदिधातूनां लट् संपूर्णरूपाणि लिखतु। [K] [2]
- 22 चिताभस्मरक्षकः कथं मन्दारवत्याः पतिः भवति – कथासंक्षेपं विलिख्य प्रदर्शयत। [Ap] [3]
- 23 यमेन अनुगृहीतं वरद्वयं विशदयत। [An] [4]
- 24 आत्मस्वरूपजिज्ञासायां नचिकेतसः स्थैर्यं प्रदर्शयत। [An] [4]

(2 × 15 = 30)

END OF THE QUESTION PAPER
